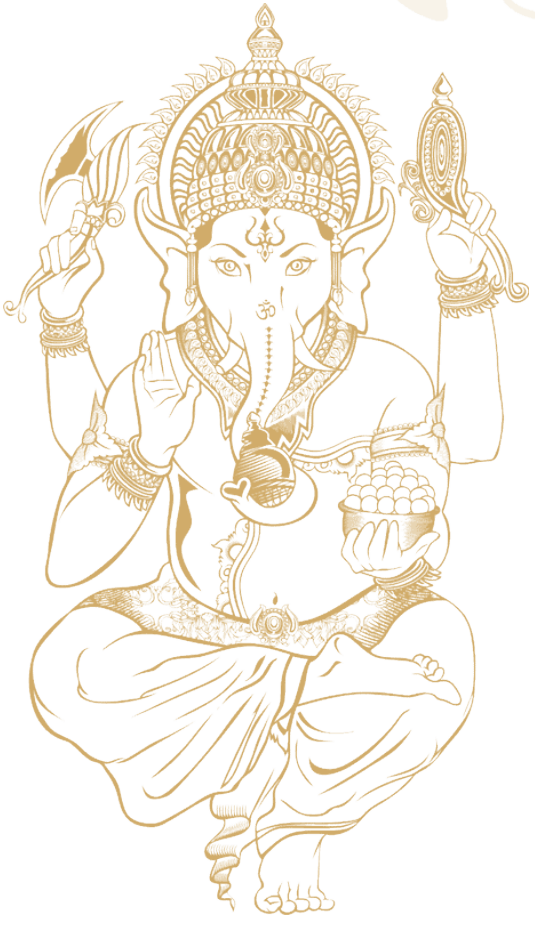

Rajat Patani

Drishti jain

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120912106

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
12/11/1997	जन्म तिथि	05/07/2001
बुधवार	दिन	गुरुवार
घंटे 12:13:00	जन्म समय	17:41:00 घंटे
घटी 13:58:26	जन्म समय(घटी)	29:46:01 घटी
India	देश	India
Indore	स्थान	Indore
22:42:00 उत्तर	अक्षांश	22:42:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व	रेखांश	75:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24	स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:37:37	सूर्योदय	05:46:35
17:43:28	सूर्यास्त	19:15:09
23:49:32	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:25

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 7वर्ष 0मा 7दि		13:52:47	मक	लग्न	वृश्चि	28:39:12	शुक्र 12वर्ष 6मा 11दि	
शुक्र		26:05:30	तुला	सूर्य	मिथु	19:39:36	चन्द्र	
20/11/2011		24:29:37	मीन	चंद्र	धनु	18:18:45	16/01/2020	
20/11/2031		08:28:12	धनु	मंगल व	वृश्चि	22:40:33	15/01/2030	
शुक्र	22/03/2015	12:50:07	वृश्चि	बुध	वृष	29:31:49	चन्द्र	15/11/2020
सूर्य	21/03/2016	20:14:27	मक	गुरु	मिथु	04:26:48	मंगल	16/06/2021
चन्द्र	20/11/2017	12:58:51	धनु	शुक्र	वृष	05:55:16	राहु	16/12/2022
मंगल	20/01/2019	20:43:22	मीन व	शनि	वृष	15:35:51	गुरु	16/04/2024
राहु	19/01/2022	24:03:41	सिंह व	राहु व	मिथु	12:31:05	शनि	15/11/2025
गुरु	19/09/2024	24:03:41	कुंभ व	केतु व	धनु	12:31:05	बुध	17/04/2027
शनि	20/11/2027	11:15:46	मक	हर्ष व	कुंभ	00:26:35	केतु	16/11/2027
बुध	20/09/2030	03:40:43	मक	नेप व	मक	14:09:34	शुक्र	17/07/2029
केतु	20/11/2031	11:02:35	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	19:15:42	सूर्य	15/01/2030

लग्न-चलित

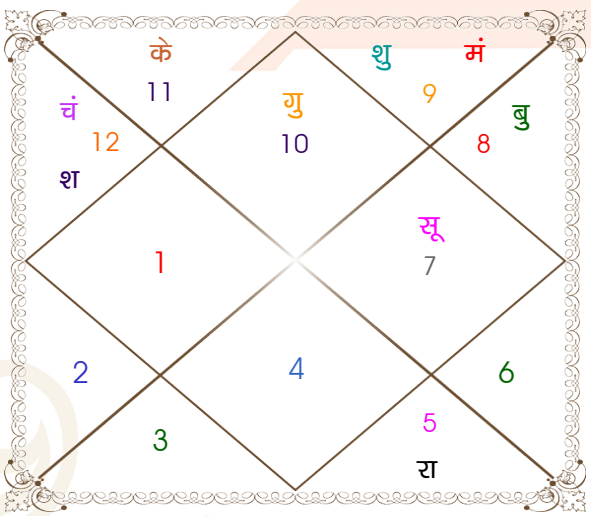

लग्न-चलित

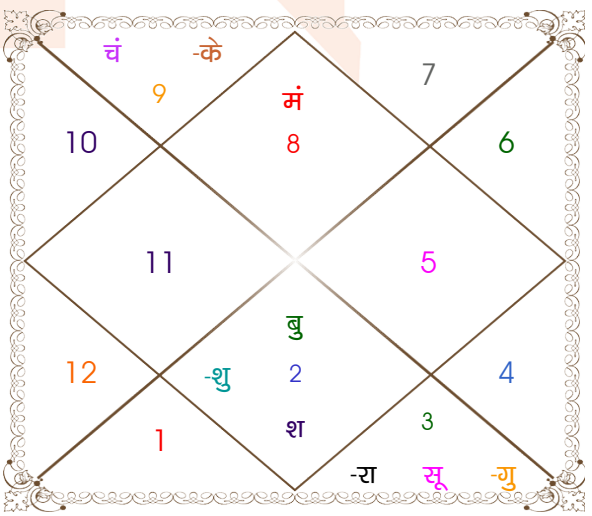

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	31.50		

Rajat Patani का वर्ग सिंह है तथा Drishti jain का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Rajat Patani और Drishti jain का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Rajat Patani मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Rajat Patani कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Drishti jain मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Drishti jain कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Rajat Patani कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Rajat Patani तथा Drishti jain में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।